# NCERT Solutions For Class 10 Hindi (Sparsh)

## CH 12 - अब कहाँ दूसरे के दुख से दुखी होने वाले

**निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक-दो पंक्तियों दीजिए:**

**1. बड़े बड़े बिल्डर समुद्र को पीछे क्यों धकेल रहे थे?**

**उत्तर:** आबादी बढ़ने के कारण स्थान का अभाव हो रहा था इसलिए बिल्डर नई-नई इमरातें बनाने के लिए बड़े-बड़े बिल्डर समुद्र को पीछे धकेल रहे थे।

**2. लेखक का घर किस शहर में था?**

**उत्तर:** लेखक का घर ग्वालियर शहर में था।

**3. जीवन कैसे घरों में सिमटने लगा है?**

**उत्तर:** एकल परिवारों का चलन होने के कारण जीवन डिब्बों जैसे फलैटों में सिमटने लगा है।

**4. कबूतर परेशानी में इधर-उधर क्यों फड़फड़ा रहे थे?**

**उत्तर:** कबूतर के घोंसले में दो अंडे थे। एक बिल्ली ने तोड़ दिया था दूसरा दिल्ली से बचाने के चक्कर में माँ से टूट गया। कबूतर इससे परेशान होकर इधर-उधर फड़फड़ा रहे थे।

**लिखित:**

**(क) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर (25-30 शब्दों में) लिखिए:**

**1. अरब में लशकर को नूह के नाम से क्यों याद करते हैं?**

**उत्तर:** अरब में लशकर को नूह के नाम से इसलिए याद करते हैं क्योंकि वे हमेशा दूसरों के दुःख में दुखी रहते थे। नूह को पैगम्बर या ईश्वर का दूत भी कहा गया है। उनके मन में करुणा होती थी।

**2. लेखक की माँ किस समय पेड़ों के पत्ते तोड़ने के लिए मना करती थीं और क्यों?**

**उत्तर:** लेखक की माँ रात होने पर पेड़ों के फूल पत्ते तोड़ने पर मना करती थी क्योंकि पेड़ रात में फूल तोड़ने पर श्राप देते हैं। माँ सूरज ढलने के पश्चात पेड़ों के पत्ते तोड़ने से मना करती थी। क्योंकि ऐसा करने से सभी पेड़ पौधे को बुरा लगता है।

**3. प्रकृति में आए असंतुलन का क्या परिणाम हुआ?**

**उत्तर:** प्रकृति में आए असंतुलन का मानव जीवन पर बहुत बुरा प्रभाव पड़ता है अनेक बीमारियों से

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

मानव को झेलना पड़ता है। और प्राकृतिक आपदा जैसे कि बहुत अधिक गर्मी, बेवक्त की बारिश, बढ़, भूकंप, अतिवृष्टि, साइकलोन आदि अनेक प्राकृतिक आपदाओं का सामना करना पड़ता है।

**4. लेखक की माँ ने पूरे दिन रोज़ा क्यों रखा?**

**उत्तर:** लेखक की माँ ने पूरा दिन रोजा रखकर नवाज पढ़ते हुए माफी इसलिए मांगी क्योंकि उनके घर कबूतर के दो अंडे थे जिसमें से एक अंडा तो बिल्ली ने झपट्टा मारकर तोड़ दिया और दूसरे अंडा बचाते वक्त लेखक की माँ से गिरकर फूट गया जिसका उन्हें बहुत दुख हुआ और उसका पश्चाताप करने के लिए उन्होंने पूरा दिन रोजा रखा और माफी मांगी।

**5. लेखक ने ग्वालियर से बंबई तक किन बदलावों को महसूस किया? पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए।**

**उत्तर:** लेखक का घर पहले ग्वालियर में था। लेकिन फिर बम्बई के वसर्जिवा में आकर रहने लगा। लेखक कहते हैं कि पहले सभी लोग प्रेम पूर्वक एक साथ रहते थे घर भी बहुत बड़े बड़े होते थे उनमें खेलने के लिए आंगन भी होता था परंतु अब ऐसा कुछ भी नहीं है अब घर भी डिब्बे के सामान छोटे होते हैं और ना ही अब कोई एक साथ रहता है सब अपने अपने परिवार के साथ अलग-अलग रहते हैं। अब चारों तरफ केवल इमारतें ही इमारतें नजर आती हैं।पहले के समान खुले घर नहीं है। अब पशु पक्षियों के भी रहने तक की जगह नहीं है पहले जब पक्षी घोंसला बना लेते थे तो उनका ध्यान रखा जाता था और पशुओं को पाला जाता था। किंतु अब ऐसा कुछ नहीं देखा जा सकता है।

**6. डेरा डालने से आप क्या समझते हैं? स्पष्ट कीजिए।**

**उत्तर:** डेरा डालने से तात्पर्य है किसी स्थान पर कुछ समय के लिए रहना। पक्षियों को घोंसला बनाने की जगह ना मिल पाने पर वह अपना जीवन यापन करने के लिए बड़ी-बड़ी इमारतों में ही कुछ समय के लिए अपना घोंसला बना लेते हैं।

**7. शेख अयाज़ के पिता अपने बाजू पर काला च्योंटा रेंगता देख भोजन छोड़ कर क्यों उठ खड़े?**

**उत्तर:** शेख अयाज़ के पिता जब कुँए से नहाकर लौटे तो काला च्योटा उनकी बाजू पर चढ़कर आ गया। उन्होंने उसे अपने बाजू पर चलता देख उन्होंने निश्चय किया कि पहले वह उसे उसके घर छोड़कर आएंगे तभी भोजन के वक्त उन्होंने अपना भोजन छोड़कर यह निर्णय किया कि पहले मैं इसे इसके घर छोड़कर आऊंगा।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

**(ख) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर (50-60 शब्दों में) लिखिए:**

**1. बढ़ती हुई आबादी का पर्यावरण पर क्या प्रभाव पड़ा?**

**उत्तर:** बढ़ती हुई आबादी के कारण प्रकृति का संतुलन बिगड़ता जा रहा है जो मानव जीवन के लिए एक खतरा है। जनसंख्या तेजी से बढ़ने के कारण रहने के स्थान की कमी होती जा रही है जिस कारण वनों की अंधाधुंध कटाई की जा रही है और समुंद्र को भी कम कर कर उन पर अधिक मात्रा मे इमारतें बनाने की कोशिश की जा रही है जिससे प्रकृति अपना संतुलन खोती नजर आ रही है। इसी कारण प्रकृति मनुष्य द्वारा किए गए इस गलत कार्य का उन्हें समय-समय पर दंड देती रहती है। प्रकृति जब भी अपना संतुलन खोती है तो मनुष्य को उसका दंड भुगतना पड़ता है जिसे हम प्राकृतिक आपदा कहते हैं जैसे बाढ़ आना, तूफान ,आंधी, तेज गर्मी, बेमौसम बरसात का होना और जलवायु परिवर्तन आदि सभी प्रकृति के असंतुलन के कारण होते हैं। जो सभी जीव जगत के लिए एक खतरा साबित होते हैं।

**2. लेखक की पत्नी को खिड़की में जाली क्यों लगवानी पड़ी?**

**उत्तर:** लेखक ने घर की खिड़की में जाली इसलिए लगवाई क्योंकि उसके घर कबूतर ने घोंसला बना लिया था जिसमें दो कबूतर के बच्चे थे और कबूतर उनको दाना खिलाने के लिए खिड़की से आते जाते थे जिस कारण उनका कुछ ना कुछ सामान टूट जाता था। इसी वजह से लेखक की पत्नी ने मचान के आगे जाली लगवा दी थी और घोसले को बाहर की और सरका दिया था।

**3. समुद्र के गुस्से की क्या वजह थी? उसने अपना गुस्सा कैसे निकाला?**

**उत्तर:** समुंद्र को गुस्सा इस कारण आया क्योंकि कई सालों से बिल्डर अपना स्वार्थ देखते हुए समुंद्र को पीछे की ओर धकेलते जा रहे थे। समुंद्र की जगह पर बड़ी-बड़ी इमारतें बना रहे थे समुंद्र आकार में बहुत छोटा होता जा रहा था। उसने बहुत कोशिश की कि मनुष्य ऐसे ही मान जाए किंतु मनुष्य नहीं माने और अपने काम में लगे रहे। जिस कारण समुंद्र को गुस्सा आ गया और उसने गुस्सा निकालने के लिए तीन जहाज फेंक दिए। एक वार्लेकि समुद्र के किनारे, दूसरा बांद्रा में कार्टर रोड के सामने और तीसरा गेट वे ऑफ इंडिया पर जिस कारण सब कुछ टूट फूट कर बिखर गया।

**4. मट्टी से मट्टी मिले,**

**खो के सभी निशान,**

**किसमें कितना कौन है,**

**कैसे हो पहचान,**

**इन पंक्तियों के माध्यम से लेखक क्या कहना चाहता है? स्पष्ट कीजिए ।**

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

**उत्तर:** इन पंक्तियों में बताया गया है कि सभी प्राणी एक ही मिट्टी से बने हैं और अंत में हमारा शरीर व्यक्तिगत पहचान खोकर उसी मिट्टी में मिल जाता है। यह पता नहीं रहता कि उस मिट्टी में कौन-कौन से मिट्टी मिली हुई है यानी मनुष्य में कितनी मनुष्यता है और कितनी पशुता यह किसी को पता नहीं होता।

**(ग) निम्नलिखित का आशय स्पष्ट कीजिए-**

**1. नेचर की सहनशक्ति की एक सीमा होती है। नेचर के गुस्से का एक नमूना कुछ साल पहले बंबई में देखने को मिला था।**

**उत्तर:** मनुष्य प्रकृति के साथ कुछ ना कुछ खिलवाड़ करता रहता है। प्रकृति की भी सहनशक्ति एक हद तक होती है। इसके क्रोध का नमूना कुछ साल पहले बंबई में देखने को मिला था। इसने तीन जहाजों को बच्चो की गेंद के समान उछाल दिया था।

**2. जो जितना बड़ा होता है उसे उतना ही कम गुस्सा आता है।**

**उत्तर:** महान तथा बड़े लोगों में माफ़ करने की अधिक क्षमता होती है। किसी भी व्यक्ति की महानता क्रोधित होकर दण्ड देने में नहीं अपितु उसकी गलती को माफ करने में होती है। किसी की भी गलती को माफ़ करना ही महान लोगों के गुण होती है। महान लोग समुंद्र के समान शांत वह गहरे होते हैं। समुंद्र भी उसी प्रकार महान है वह मनुष्य के द्वारा किए गए खिलवाड़ को सहन करता रहा परंतु गलती करने की भी कोई सीमा होती है। जब मनुष्य अपनी गलती से बाज नहीं आया तो समुद्र को क्रोध आ गया और उसने विकराल रूप धारण कर लिया। वैसे तो महान व्यक्तियों की तरह उसमें अथाह गहराई शांति व सहनशक्ति है। परंतु मनुष्य ने उसे क्रोधित एवं विकराल रूप धारण करने पर मजबूर कर दिया।

**3. इस बस्ती ने न जाने कितने परिदो-चरिंदों से उनका घर छीन लिया है। इनमें से कुछ शहर छोड़कर चले गए हैं। जो नहीं जा सके हैं उन्होंने यहाँ वहाँ डेरा डाल लिया है।**

**उत्तर:** बस्तियों के फैलाव और बड़ी-बड़ी इमारतों को बनाने के चक्कर में मनुष्य ने पेड़ों को काटकर ना जाने कितने पक्षियों को उनके घरों से बेघर कर दिया। उनके ऐसा करने की वजह से कुछ की तो जातियाँ ही नष्ट हो गई। और कुछ पक्षियों के द्वारा इमारतों पर अपना डेरा बसा लिया गया।

**4. शेख अयाज़ के पिता बोले, नहीं, यह बात नहीं हैं। मैंने एक घर वाले को बेघर कर दिया है। उस बेघर को कुएँ पर उसके घर छोड़ने जा रहा हूँ। इन पंक्तियों में छिपी हुई उनकी भावना को स्पष्ट कीजिए।**

**उत्तर:** शेख अयाज़ के पिता बोले, नहीं, यह सही नहीं है मैंने एक चीटा को उसके घर वालों से अलग कर दिया जो कि बिल्कुल गलत है मैने एक घर वाले को बेघर कर दिया है। मैं उसे उसके घर वापस छोड़ कर

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

अवश्य आऊंगा। इन पंक्तियों के द्वारा उनकी भावनाओं का पता चलता है कि वह पशु पक्षियों से कितना प्रेम करते हैं उनका उनके प्रति कितना लगाव है। वे पक्षियों की भावनाओं को अच्छी तरह से समझते हैं। वे किसी भी पशु पक्षी को किसी भी प्रकार का दुख देना नहीं चाहते उनका मानना है कि मनुष्य और पशु पक्षी सब एक समान होते हैं जितना दुख मनुष्य को होता है उतना ही पशु-पक्षियों को भी होता है।

**भाषा अध्यन**

**1. उदारण के अनुसार निम्नलिखित वाक्यों में कारक चिह्नों को पहचानकर रेखांकित कीजिए। और उनके नाम रिक्त स्थानों में लिखिए जैसे:**

**(क) माँ ने भोजन परोसा कर्त**

**(ख) मैं किसी के लिए मुसीबत नहीं हूँ।**

**(ग) मैंने एक घर वाले को बेघर कर दिया।**

**(घ) कबूतर परेशानी में इधर-उधर फड़फड़ा रहे थे।**

**(ङ) दरिया पर जाओ तो उसे सलाम किया करो।**

**उत्तर:**

(क) माँ ने भोजन परोसा। कर्ता

(ख) मैं किसी के लिए मुसीबत नहीं हूँ। संप्रदान

(ग) मैंने एक घर वाले को बेघर कर दिया। कर्म

(घ) कबूतर परेशानी में इधर-उधर फड़फड़ा रहे थे। अधिकरण

(ङ) दरिया पर जाओ तो उसे सलाम किया करो। अधिकरण

**2. नीचे दिए गए शब्दों के बहुवचन रूप लिखिए-**
**चींटी, घोड़ा, आवाज़, बिल, फौज, रोटी, बिंदु, दीवार, टुकड़ा।**
**उत्तर:**
चींटी-चीटियाँ

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

घोड़ा - घोड़े

आवाज़ – आवाजें

बिल-बिल

रोटी - रोटियाँ

बिंदु-बिंदु (बिदुओ को)

दीवार-दीवारें

टुकड़ा – टुकडे

**3. निम्नलिखित वाक्यों में उचित शब्द भरकर वाक्य पूरे कीजिए:**

**(क) आजकल _____ बहुत खराब है। (जमाना/जमाना)**

**(ख) पूरे कमरे को_____ दो। (सजा / सज़ा)**

**(ग) माँ दही_____भूल गई|(जमाना / जमाना)**

**(घ) _____चीनी तो देना|(जरा/जरा)**

**(ङ) दोषी को _____दी गई।(सजा / सज़ा)**

**(च) महात्मा के चेहरे पर_____था। (तेज / तेज़)**

**उत्तर:**

(क) आजकल ज़माना बहुत खराब है।

(ख) पूरे कमरे को सजा दो।

(ग) माँ दही जमाना भूल गई।

(घ). ज़रा चीनी तो देना|

(ङ) दोषी को सज़ा दी गई।

(च) महात्मा के चेहरे पर तेज था।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in